

**न्यायालय कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट, चित्तौड़गढ़ जिला (राज.)****पीठासीन अधिकारी - आलोक रंजन (आई.ए.एस.)**

प्रकरण संख्या 003/2024(गौवंश) (GCMS 2024/69)	दायर दिनांक 27.03.2024	निर्णय दिनांक 12.06.2024
----------------------------------------------------	---------------------------	-----------------------------

**अनवान**

राजस्थान सरकार जरिये थानाधिकारी पुलिस थाना गंगरार,  
जिला चित्तौड़गढ़ (राजस्थान)

**प्रार्थी****बनाम**

अमराराम पिता गोपाराम जाट उम्र 50 साल निवासी जाजरों  
की ढाणी कास्ती पुलिस थाना खडापा जिला जोधपुरा (राज.)।

**विपक्षी**

कार्यवाही अन्तर्गत धारा 6 'क' राजस्थान गोवंशीय पशु (वध का प्रतिषेध  
और अस्थायी प्रव्रजन या निर्यात का विनियमन) नियम, 1995

**--:: निर्णय ::--**

प्रकरण का विवरण इस प्रकार है कि थानाधिकारी पुलिस थाना चन्देरिया जिला चित्तौड़गढ़ द्वारा पुलिस थाना गंगरार में दर्ज प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 033/2024 दिनांक 08.02.2024 अपराध अन्तर्गत धारा 3, 5, 8 व 9 राजस्थान गोवंशीय पशु (वध का प्रतिषेध और अस्थायी प्रव्रजन या निर्यात का विनियमन) नियम, 1995 एवं धारा 11(1)(घ) पशुओं के प्रति क्रूरता का निवारण अधिनियम, 1960 में जब्तशुदा वाहन रजिस्ट्रेशन संख्या RJ 19 GJ 4377 के निस्तारण बाबत अधिनियम 1955 की धारा 6 'क' के तहत विपक्षीगण के विरुद्ध प्रकरण प्रस्तुत किया गया।

इस पर प्रकरण दर्ज रजिस्टर किया जाकर विपक्षी को सूचना पत्र जारी किये गये। दिनांक 23.04.2024 को विपक्षी की और से उनके अधिवक्ता हाजिर आये एवं अधिकार पत्र पेश किया जो शामिल पत्रावली होकर रिकार्ड पर है।

प्रकरण में प्रार्थी अमरा राम पिता गोपाराम जाट निवासी जाजरों की ढाणी कास्ती पुलिस थाना खडापा जिला जोधपुर की और से पुलिस थाना सदर गंगरार में दर्ज प्रथम सूचना रिपोर्ट 033/2024 दिनांक 08.02.2024 अपराध अन्तर्गत धारा 3, 5, 8 व 9 राजस्थान गोवंशीय पशु (वध का प्रतिषेध और अस्थायी प्रव्रजन या निर्यात का विनियमन) नियम, 1995 एवं धारा 11(1)(घ) पशुओं के प्रति क्रूरता का निवारण अधिनियम, 1960 में



जब्तशुदा वाहन रजिस्ट्रेशन संख्या RJ19 GJ 4377 को प्रार्थी अधिकृत/वाहन स्वामी को सिपुर्द किये जाने बाबत प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 451-457 जाफ़ता फौजदारी के तहत प्रस्तुत किया गया है जिसके प्रकरण संख्या 025/2024 (रे.वि.) दर्ज रजिस्टर होकर लम्बित है। प्रार्थी द्वारा अपने प्रार्थना-पत्र में निवेदन किया गया है कि प्रार्थी का वाहन पुलिस थाना गंगरार में वजह सबूत अपनी तहवील में ले रखा है, जिसका प्रार्थी एक मात्र रजिस्टर्ड वाहन स्वामी है। जब्तशुदा वाहन की पुलिस थाना गंगरार को कोई आवश्यकता नहीं है। उक्त वाहन की मासिक किश्ते प्रार्थी को उक्त वाहन से ही कमा कर अदा करनी होती है, यदि वाहन समय रहते नहीं छुटा तो प्रार्थी को अकथनीय आर्थिक क्षति होगी तथा प्रार्थी गरीब परिवार का है तथा उस पर परिवार की जिम्मेदारिया है एवं प्रार्थना की गई कि प्रार्थी को जब्तशुदा वाहन को सिपुर्दगीनामें व जमानतनामा पर सिपुर्द किये जाने का आदेश प्रदान करावें।

प्रार्थी के प्रार्थना-पत्र अन्तर्गत धारा 451-457 जा0फौ0 के तहत प्रस्तुत किये जाने पर प्रकरण दर्ज रजिस्टर किया जाकर पुलिस थानाधिकारी पुलिस थाना गंगरार चित्तौड़गढ़ से प्रार्थना-पत्र पर टिप्पणी/अभिमत प्राप्त किया गया। इस पर पुलिस थाना थानाधिकारी पुलिस थाना गंगरार चित्तौड़गढ़ से पत्रांक/1249 दिनांक 22.04.2024 से टिप्पणी/अभिमत प्रेषित किया गया है जो कि प्रकरण संख्या 025/2024 (रे.वि.) में शामिल पत्रावली होकर रिकार्ड पर है। थानाधिकारी पुलिस थाना गंगरार चित्तौड़गढ़ द्वारा अवगत कराया गया कि प्रकरण में जुर्म धारा 3,5,8,9 राजस्थान गौवंशीय पशु अधिनियम, 1955 एवं धारा 11(1)(घ) पशुओं के प्रति क्रूरता का निवारण अधिनियम, 1960 में चार्जशीट कता की जा चुकी है।

हस्तगत दोनों प्रकरणों के पुलिस थाना गंगरार जिला चित्तौड़गढ़ में दर्ज प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 033/2024 दिनांक 08.02.2024 में जब्तशुदा वाहन के निस्तारण का प्रश्न निहित है। ऐसी स्थिति उक्त दोनो प्रकरणों में एक साथ सुनवाई की जाकर निर्णय पारित किया जाना उचित प्रतीत होता है। अतः प्रकरण में अनुसंधान अधिकारी से पूछताछ की गई है एवं दोनो प्रकरणों में एक साथ सुनवाई की जाकर उभयपक्षकारान द्वारा की गई बहस पत्रावली को सुना गया। अभियोजन अधिकारी द्वारा कथन किया गया कि प्रार्थी द्वारा गौवंशीय पशु (वध का प्रतिषेध और अस्थायी प्रव्रजन या निर्यात का विनियमन)(संशोधन) अधिनियम, 2018 की धारा 6 'क' के अनुसार इस अधिनियम के अधीन दण्डनीय अपराध किया जाये तो ऐसा अपराध करने के लिये उपयोग में लाया गया प्रवहन का कोई भी साधन अधिहरण के दायित्वाधीन होता है जिला कलक्टर सक्षम प्राधिकारी होने के नाते उक्त वाहन के अधिहरण के आदेश फरमाया जाकर जब्तशुदा वाहन को अधिहरण किया जावें।

इस पर विद्वान अधिवक्ता विपक्षी (प्रार्थना-पत्र 025/2024 (रे.वि.) द्वारा कथन किया गया कि प्रार्थी उक्त वाहन का रजिस्टर्ड स्वामी है। अधिनियम की धारा 6(क) में वर्णित प्रावधानों



के अनुसार उक्त वाहन की सिपुर्दगी प्रार्थी को दी जावे। प्रार्थी द्वारा उक्त वाहन से कोई अवैध गौवंश का परिवहन नहीं किया जा रहा था, अतः प्रार्थना-पत्र स्वीकार फरमाया जाकर प्रकरण में जब्तशुदा वाहन संख्या RJ19 GJ 4377 के आवश्यक दस्तावेज होने रिलीज करने का कृपा करावे। राजस्थान गोवंशीय पशु (वध का प्रतिषेध और अस्थायी प्रव्रजन या निर्यात का विनियमन)(संशोधन) अधिनियम, 2018 की धारा 6(क) की उप-धारा (2) के तहत प्रवहन के साधन के स्वामी को जुर्माने का संदाय करने का विकल्प फरमाया जावे। इसी ईशतदुआ के साथ विद्वान अधिवक्ता विपक्षी ने अपनी बहस पत्रावली समाप्त की। पत्रावली वास्ते निर्णय रिजर्व की गई।

पत्रावली वास्ते निर्णय पेश हुई। हमने पत्रावली का गहनता पूर्वक अवलोकन किया। उभय पक्ष की द्वारा बहस का चित्त मन से शांतिपूर्वक चिंतन-मनन किया। विपक्षी द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजात का अवलोकन किया। प्रकरण में पुलिस रिपोर्ट अनुसार वाहन में ठूस-ठूस कर भरे 17 गौवंश पाये गये जिनमें से एक गौवंश बैल मृत पाया गया। इसी कारण से अपराध धारा 3,5,8 व 9 राजस्थान गोवंशीय पशु (वध का प्रतिषेध और अस्थायी प्रव्रजन या निर्यात का विनियमन) नियम, 1995 एवं धारा 11(1)(घ) पशुओं के प्रति क्रूरता का निवारण अधिनियम, 1960 के अन्तर्गत होना दर्शित है। प्रार्थी द्वारा गौवंश के अवैध परिवहन व बिना सक्षम स्वीकृति के परिवहन की पुष्टी होती है।

हमने संशोधन अधिनियम 2018 के प्रावधानों का चिंतन-मनन किया। संशोधित अधिनियम 2018 की धारा 6(क) की उप-धारा (2) में प्रावधित किया गया है कि अधिहरण का आदेश करने से पूर्व उप-धारा (1) निर्दिष्ट प्रवहन के साधन के स्वामी को अधिहरण के बदले में प्रवहन के ऐसे, साधन के बाजार मूल्य से अनधिक के जुर्माने का संदाय करने का विकल्प दिया जा सकेगा। इसके साथ ही हस्तगत प्रकरण में पत्रावली पर ऐसा कोई साक्ष्य उपलब्ध नहीं है जिससे यह तय किया जा सके की प्रवहन के साधन के स्वामी को पूर्व में इस परन्तुक के अधीन विकल्प दिया जा चुका है।

अतः उपर्युक्त विवेचन एवं विश्लेषण के आधार पर हस्तगत पुलिस थाना गंगारार में दर्ज प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 033/2024 दिनांक 08.02.2024 अपराध अन्तर्गत धारा 3,5,8 व 9 राजस्थान गोवंशीय पशु (वध का प्रतिषेध और अस्थायी प्रव्रजन या निर्यात का विनियमन) नियम, 1995 एवं धारा 11(1)(घ) पशुओं के प्रति क्रूरता का निवारण अधिनियम, 1960 में जब्तशुदा वाहन के निस्तारण के संबंध में प्रार्थना-पत्र 025/2024 (रे.वि.) के प्रार्थी अमरा राम पिता गोपाराम जाट निवासी जाजरों की ढाणी काश्ती पुलिस थाना खेडापा जिला जोधपुर द्वारा जुर्माना राशि रूपये 5,00,000/- अक्षरे पांच लाख रूपये मात्र के संदाय किये जाने पर प्रकरण में जब्तशुदा वाहन रजिस्ट्रेशन संख्या RJ 19 GJ 4377 को रूपये 25,00,000/- अक्षरे पच्चीस लाख रूपये के जमानतनामा एवं सिपुर्दगीनामा पर विहित शर्तों पर सिपुर्दगी में दिये जाने का आदेश



जाता है। संबंधित प्रार्थी द्वारा आदेशानुसार जुर्माना राशि राजकोष में जमा करा चालान/रसीद व अपेक्षित जमानतनामा एवं सिपुर्दगीनामा पेश किये जाने पर संबंधित प्रकरण प्रार्थना-पत्र 025/2024(रे0वि0) अनवानी अमराराम बनाम सरकार में वाहन सिपुर्द किये जाने बाबत तहरीर जारी हों। संबंधित प्रार्थी द्वारा जुर्माना राशि और अपेक्षित जमानतनामा व सिपुर्दगीनामा एक माह की अवधि में प्रस्तुत नहीं करने पर प्रकरण में जब्तशुदा वाहन रजिस्ट्रेशन संख्या RJ19 GJ 4377 को नियमानुसार विधि द्वारा सुस्थापित प्रक्रियानुसार जरिये निलामी के निस्तारण कर प्राप्त आय को राजकोष में जमा कराया जावे। निर्णय की प्रति थानाधिकारी पुलिस थाना गंगार जिला चित्तौड़गढ़ को सूचनार्थ, पालनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु भिजवाई जावे। पत्रावली की गणना निर्णित इन्द्राज की जाकर बाद आवश्यक कार्यवाही अभिलेखागार भिजवाई जावे।

यह निर्णय खुले न्यायालय में आज दिनांक 12.06.2024 को लिखाया जाकर सुनाया गया।

(आलोक रंजन)  
जिला कलक्टर,  
चित्तौड़गढ़

